भजन

तर्ज–आने से जिसके आए बहार

पढ़ने से जिसका हो बेड़ा पार,
सुनने से आए सुन्दर विचार
बड़ा सुख देती है,मेरे सतगुरू की वाणी
दुख हर लेती है,मेरे.....

1– ध्यान से पढ़े जो,पट अन्दर के है खोल देती
प्रेम से सुने जो,निजधाम में पहुंचा देती
हमारी है हमारे लिए,हुई मेहरबानी है
मेरे सातगुरू....

2–फरमाई मेरे सतगुरू,मुक्ति दिलाने आई
सनमंध मूल का था,श्री जी ने आ सुनाई
समझो तो सोचो तो,यह अपनी कहानी है
मेरे सतुगरू...